IS JUSTIFIED TRUE BELIEF KNOWLEDGE?

By EDMUND L. GETTIER

VARIOUS attempts have been made in recent years to state necessary and sufficient conditions for someone's knowing a given proposition.

The attempts have often been such that they can be stated in a form similar to the following:[1]

(a) S knows that P IFF

(i) P is true,

(ii) S believes that P, and

(iii) S is justified in believing that P.

For example, Chisholm has held that the following gives the necessary and sufficient conditions for knowledge:[2]

(b) S knows that P IFF

(i) S accepts P,

(ii) S has adequate evidence for P, and

(iii) P is true.

Ayer has stated the necessary and sufficient conditions for knowledge as follows:[3]

(c) S knows that P IFF

(i) P is true,

(ii) S is sure that P is true, and

(iii) S has the right to be sure that P is true.

क्या प्रमाणित सत्य विश्वास प्रमा है?

लेखक— एडमण्ड गेटिअर, अनुवादक— अरविन्द जायसवाल

हाल के वर्षों में किसी दिए गए प्रतिज्ञप्ति को जानने के लिए आवश्यक और पर्याप्त शर्तों को बताने के लिए कई प्रयास किए गए हैं।

प्रयास अक्सर ऐसे होते हैं कि उन्हें निम्नलिखित के समान रूप में बताया जा सकता है:[1]

(अ) S जानता है कि P यदि और केवल यदि

1. P सत्य है,
2. S विश्वास करता है कि P, और
3. S यह विश्वास करने में कि P प्रमाणित (justified) है।

उदाहरण के लिए, Chisholm ने कहा है कि निम्नलिखित प्रमा के लिए आवश्यक और पर्याप्त शर्तें प्रदान करता है:[2]

(ब) S जानता है कि P यदि और केवल यदि

1. S, P को स्वीकारता है,
2. S के पास P के लिए उचित साक्ष्य हैं, और
3. P सत्य है।

Ayer ने ज्ञान के लिए आवश्यक और पर्याप्त शर्तों को निम्नानुसार[3] बताया है—

(स) S जानता है कि P यदि और केवल यदि

1. P सत्य है,
2. S सुनिश्चित है कि P सत्य है, और
3. S इसके लिए सुनिश्चित होने का अधिकार रखता है कि P सत्य है।

---

[1] Plato seems to be considering some such definition at *Theaetetus* 201, and perhaps accepting one at *Meno* 98.

[2] Roderick M. Chisholm, *Perceiving: a Philosophical Study*, Cornell University Press (Ithaca, New York, 1957), p. 16.

[3] A. J. Ayer, *The Problem of Knowledge*, Macmillan (London, 1956) p. 34.

I shall argue that (a) is false in that the conditions stated therein do not constitute a sufficient condition for the truth of the proposition that S knows that P. The same argument will show that (b) and (c) fail if 'has adequate evidence for' or 'has the right to be sure that' is substituted for 'is justified in believing that' throughout.

I shall begin by noting two points. First, in that sense of 'justified' in which S's being justified in believing P is a necessary condition of S's knowing that P, it is possible for a person to be justified in believing a proposition that is in fact false. Secondly, for any proposition P, if S is justified in believing P, and P entails Q, and S deduces Q from P and accepts Q as a result of this deduction, then S is justified in believing Q. Keeping these two points in mind, I shall now present two cases in which the conditions stated in (a) are true for some proposition, though it is at the same time false the person in questions knows that proposition.

Case I:

Suppose that Smith and Jones have applied for a certain job. And suppose that Smith has strong evidence for the following conjunctive proposition:

(d) Jones is the man who will get the job, and Jones has ten coins in his pocket.

Smith's evidence for (d) might be that the president of the company assured him that Jones would in the end be selected, and that he, Smith, had counted the coins in Jones's pocket ten minutes ago.

मैं युक्ति प्रस्तुत करूँगा कि (अ) इस अर्थ में गलत है कि जो शर्तें उसमें बताई गई हैं वे इस प्रतिज्ञप्ति कि *S जानता है कि P* की सत्यता के लिए पर्याप्त शर्तें नहीं हैं। वही युक्ति प्रदर्शित करेगी कि (ब) और (स) असफल होते हैं यदि 'के पास उचित साक्ष्य हैं' व 'इसके लिए सुनिश्चित होने का अधिकार रखता है कि' को 'यह विश्वास करने में प्रमाणित (justified) है कि' के लिए पूर्णतया प्रतिस्थापित किया जाय।

मैं दो बिन्दुओं का उल्लेख करते हुए शुरू करूँगा। प्रथम, 'प्रमाणित' के उस अर्थ में जिसमें S का P के बारे में विश्वास करने में प्रमाणित होना S के P को जानने का एक अनिवार्य शर्त है, किसी व्यक्ति का किसी ऐसे प्रतिज्ञप्ति में विश्वास करने में प्रमाणित होना संभव है जो कि वस्तुतः असत्य है। द्वितीय, किसी भी प्रतिज्ञप्ति P के लिए, यदि S P में विश्वास करने के लिए प्रमाणित है, और P से Q निगमित होता है, और S P से Q को निकालता है और Q को इस निगमन के निष्कर्ष के रूप में स्वीकार करता है, तो S Q में विश्वास करने में प्रमाणित है। इन दो बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए, अब मैं दो प्रकरण प्रस्तुत करूँगा जिनमें (अ) में बताई गई शर्तें एक प्रतिज्ञप्ति के लिए ठीक हैं, यद्यपि साथ ही यह गलत है कि विचारित व्यक्ति वह प्रतिज्ञप्ति जानता है।

प्रकरण–1:

मान लीजिए कि स्मिथ और जोन्स ने एक किसी नौकरी के लिए आवेदन किया है। और मान लें कि स्मिथ के पास निम्नलिखित संयोजन के लिए मजबूत सबूत हैं:

(द) जोन्स वह व्यक्ति है जो नौकरी प्राप्त करेगा, और जोन्स के पास अपनी जेब में दस सिक्के हैं।

स्मिथ के पास (द) के लिए साक्ष्य हो सकता है कि कंपनी के अध्यक्ष ने उसे आश्वासन दिया कि जोन्स अंत में चुना जाएगा, और स्मिथ ने दस मिनट पहले जोन्स की जेब में सिक्के गिने थे।

Proposition (d) entails:

(e) The man who will get the job has ten coins in his pocket.

Let us suppose that Smith sees the entailment from (d) to (e), and accepts (e) on the grounds of (d), for which he has strong evidence. In this case, Smith is clearly justified in believing that (e) is true.

But imagine, further, that unknown to Smith, he himself, not Jones, will get the job. And, also, unknown to Smith, he himself has ten coins in his pocket. Proposition (e) is then true, though proposition (d), from which Smith inferred (e), is false. In our example, then, all of the following are true: (i) (e) is true, (ii) Smith believes that (e) is true, and (iii) Smith is justified in believing that (e) is true. But it is equally clear that Smith does not know that (e) is true; for (e) is true in virtue of the number of coins in Smith's pocket, while Smith does not know how many coins are in Smith's pocket, and bases his belief in (e) on a count of the coins in Jones's pocket, whom he falsely believes to be the man who will get the job.

Case II:

Let us suppose that Smith has strong evidence for the following proposition:

(f) Jones owns a Ford.

Smith's evidence might be that Jones has at all times in the past within Smith's memory owned a car, and always a Ford, and that Jones has just offered Smith a ride while driving a Ford. Let us imagine, now, that Smith has another friend, Brown, of whose whereabouts he is totally ignorant. Smith selects three place-names quite at random, and constructs the following three propositions:

(g) Either Jones owns a Ford, or Brown is in Boston;

प्रतिज्ञप्ति (द) में शामिल हैं:

(ई) जिस व्यक्ति को नौकरी मिलेगी उसकी जेब में दस सिक्के हैं।

मान लीजिए कि स्मिथ (द) में (ई) का शामिल होना देखता है, और (द) के आधार पर (ई) को स्वीकार करता है, जिसके लिए उसके पास मजबूत सबूत हैं। इस प्रकरण में, स्मिथ स्पष्ट रूप से इस विश्वास में उचित है कि (ई) सत्य है।

लेकिन कल्पना करें, आगे, स्मिथ को पता न होते हुए, नौकरी वह स्वयं, जोन्स नहीं, प्राप्त करेगा। और, स्मिथ को अज्ञात, उसके जेब में दस सिक्के भी है। प्रतिज्ञप्ति (ई) तब सत्य है, हालांकि प्रस्ताव (द), जिससे स्मिथ ने (ई) का अनुमान किया, असत्य है। हमारे उदाहरण में, तब, निम्नलिखित में से सभी सत्य हैं: (i) (ई) सत्य है, (ii) स्मिथ का विश्वास है कि (ई) सत्य है, और (iii) स्मिथ यह विश्वास करने में उचित/प्रमाणित है कि (ई) सत्य है। लेकिन यह उतना ही स्पष्ट है कि स्मिथ को नहीं पता कि (ई) सत्य है; क्योंकि (ई) स्मिथ की जेब में सिक्कों की संख्या के आधार पर सत्य है, जबकि स्मिथ को पता नहीं है कि स्मिथ की जेब में कितने सिक्के हैं, और (ई) में अपने विश्वास का आधार जोन्स के जेब में सिक्कों की गिनती को बनाता है, जिसके नौकरी पाने वाला व्यक्ति होने में गलती से विश्वास करता है।

प्रकरण II:

आइए मान लें कि स्मिथ के पास निम्नलिखित प्रतिज्ञप्तियों के लिए मजबूत सबूत हैं:

(फ) जोन्स एक फोर्ड कार का मालिक है।

स्मिथ का सबूत यह हो सकता है कि स्मिथ की याददाश्त में हमेशा जोन्स के पास एक कार रही है, और हमेशा एक फोर्ड कार रही है, और जोन्स ने फोर्ड कार चलाते समय स्मिथ को सवारी की पेशकश की है। आइए अब कल्पना करें कि स्मिथ का एक और दोस्त ब्राउन है, जिसके बारे में वह पूरी तरह से अनजान है। स्मिथ यादृच्छिक रूप से तीन स्थान-नामों का चयन करता है, और निम्नलिखित तीन प्रतिज्ञप्तियों की संरचना करता है:

(ग) या तो जोन्स फोर्ड कार का मालिक है, या ब्राउन बोस्टन में है;

(h) Either Jones owns a Ford, or Brown is in Barcelona;
(i) Either Jones owns a Ford, or Brown is in Brest-Litovsk.

Each of these propositions is entailed by (f). Imagine that Smith realises the entailment of each of these propositions he has constructed by (f), and proceeds to accept (g), (h), and (i) on the basis of (f). Smith has correctly inferred (g), (h), and (i) from a proposition for which he has strong evidence. Smith is therefore completely justified in believing each of these three propositions. Smith, of course, has no idea where Brown is.

But imagine now that two further conditions hold. First, Jones does not own a Ford, but is at present driving a rented car. And secondly, by the sheerest coincidence, and entirely unknown to Smith, the place mentioned in proposition (h) happens really to be the place where Brown is. If these two conditions hold then Smith does not know that (h) is true, even though *(1)* (h) is true, *(2)* Smith does believe that (h) is true, and (iii) Smith is justified in believing that (h) is true.

These two examples show that definition (a) does not state a sufficient condition for someone's knowing a given proposition.

The same cases, with appropriate changes, will suffice to show that neither definition (b) nor definition (c) do so either.

Wayne State University

(ह) या तो जोन्स फोर्ड कार का मालिक है, या ब्राउन बार्सिलोना में है;
(य) या तो जोन्स फोर्ड का मालिक है, या ब्राउन ब्रेस्ट-लिटोवस्क में है।

इन प्रतिज्ञप्तियों में से प्रत्येक (फ) द्वारा निगमित (entailed) है। कल्पना कीजिए कि स्मिथ इन प्रतिज्ञप्तियों में से प्रत्येक के (फ) जिसके द्वारा उसने इनको संरचित किया है में शामिल होने को समझता है, और (फ) के आधार पर (ग), (ह), और (य) को स्वीकार करने के लिए आगे बढ़ता है। स्मिथ ने एक प्रतिज्ञप्ति जिसके लिए उसके पास मजबूत साक्ष्य हैं से (ग), (ह), और (य) को सही तरीके से अनुमित किया है। स्मिथ इन तीन प्रतिज्ञप्तियों में से प्रत्येक पर विश्वास करने में पूरी तरह से उचित/प्रमाणित है। निश्चित रूप से, स्मिथ को पता नहीं है कि कहाँ ब्राउन है।

लेकिन अब कल्पना करें कि दो और स्थितियां हैं। सबसे पहले, जोन्स के पास फोर्ड कार नहीं है, लेकिन वर्तमान में एक किराए पर चल रही कार चला रहा है। और दूसरी बात, निरा संयोग से, और पूरी तरह से स्मिथ को अज्ञात, प्रतिज्ञप्ति (ह) में उल्लिखित जगह वास्तव में वह स्थान है जहाँ ब्राउन है। यदि ये दो स्थितियाँ लागू हों तो स्मिथ को यह नहीं पता कि (ह) सत्य है, तब भी जबकि *(1)* (ह) सत्य है, *(2)* स्मिथ का विश्वास है कि (ह) सत्य है, और *(3)* स्मिथ इस विश्वास में कि (ह) सत्य है प्रमाणित है।

इन दो उदाहरणों से पता चलता है कि परिभाषा (अ) किसी दिए गए प्रतिज्ञप्ति को किसी के द्वारा जाने जाने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं बताती है।

उचित परिवर्तनों के साथ, वही प्रकरण यह दिखाने के लिए पर्याप्त होंगे कि न तो परिभाषा (ब) और न ही परिभाषा (स) ऐसा करते हैं।

वेन स्टेट यूनिवर्सिटी